कृषि मञ्जूषा गीत

आशुतोष उपाध्याय[1]

(1)

'कृषि मञ्जूषा' लाई है पाठकों, गूढ़ बातें कृषि विज्ञान की
समयबद्धता, मात्रा, गुणवत्ता, प्रबंध और तकनीकी ज्ञान की
जिनके योगदान से है सम्भव, बढ़ पाना उपज खाद्यान्न की
अच्छा बाजार मिलेगा तो होगी, कई गुनी आय किसान की
'कषि मञ्जूषा' लाई है पाठकों, गूढ़ बातें कृषि विज्ञान की

(2)

संसाधन-पशु-फसल-प्रबंधन; सब्जी-वानिकी और उद्यान की
पढेंगे विशेषज्ञों के अनुभव, व कोशिश समस्या समाधान की
लक्ष्य होगा उत्पादकता वृद्धि, व बढ़ाना मुस्कान किसान की
'कृषि मञ्जूषा' लाई है पाठकों, गूढ़ बातें कृषि विज्ञान की

(3)

कभी बाढ़ और कभी सुखाड़, फिर इन पर अनुसंधान की
कभी ठंडी कभी गर्म हवाएं, कभी उनके असर निदान की
कभी भूमि व कभी जल, कभी धरा के बदलते परिधान की
'कृषि मञ्जूषा' लाई है पाठकों, गूढ़ बातें कृषि विज्ञान की

(4)

कहीं बातें उन्नत खेती की, कहीं उन्नत बीज निर्माण की
कहीं कीट नियंत्रण पर लेख, कहीं बातें रोग निदान की
कहीं बातें फसल सुधार की, और कहीं पूर्ण समाधान की
'कृषि मञ्जूषा' लाई है पाठकों, गूढ़ बातें कृषि विज्ञान की

(5)

कहीं फूल, फल, सब्जी पे अनुभव, व कहीं बातें उद्यान की
कहीं जड़, तना, शाखा पे लेख, कहीं बातें लता वितान की
कहीं उन्नत प्रजाति पे लेख, कहीं बातें खेत खलिहान की
'कृषि मञ्जूषा' लाई है पाठकों, गूढ़ बातें कृषि विज्ञान की

(6)

कहीं पशुओं की पोषण चर्चा, कहीं उनके रोग निदान की
कहीं पक्षियों के उत्पादन अनुभव, कहीं उनके जहान की
कहीं जोर गुणवत्ता पे, कहीं चर्चा समेकित समाधान की
'कृषि मञ्जूषा' लाई है पाठकों, गूढ़ बातें कृषि विज्ञान की

(7)

कहीं किसानों की हालात पे चिंता, और कहीं सम्मान की
कहीं सरकारी योजनाओं की जानकारी, कहीं अनुदान की
कहीं किसानों की समस्या पे विचार, व कहीं अरमान की
'कृषि मञ्जूषा' लाई है पाठकों, गूढ़ बातें कृषि विज्ञान की

[1]प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनु. परिषद् का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना, बिहार